श्री जयवीर सिंह जी
मानननीय मंत्री
संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार

श्री योगी आदित्यनाथ जी
माननीय मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश सरकार

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय

रचनात्मक अभिव्यक्ति का सुनहरा अवसर

लोगो
डिज़ाईन प्रतियोगिता

आइये इतिहास रचें

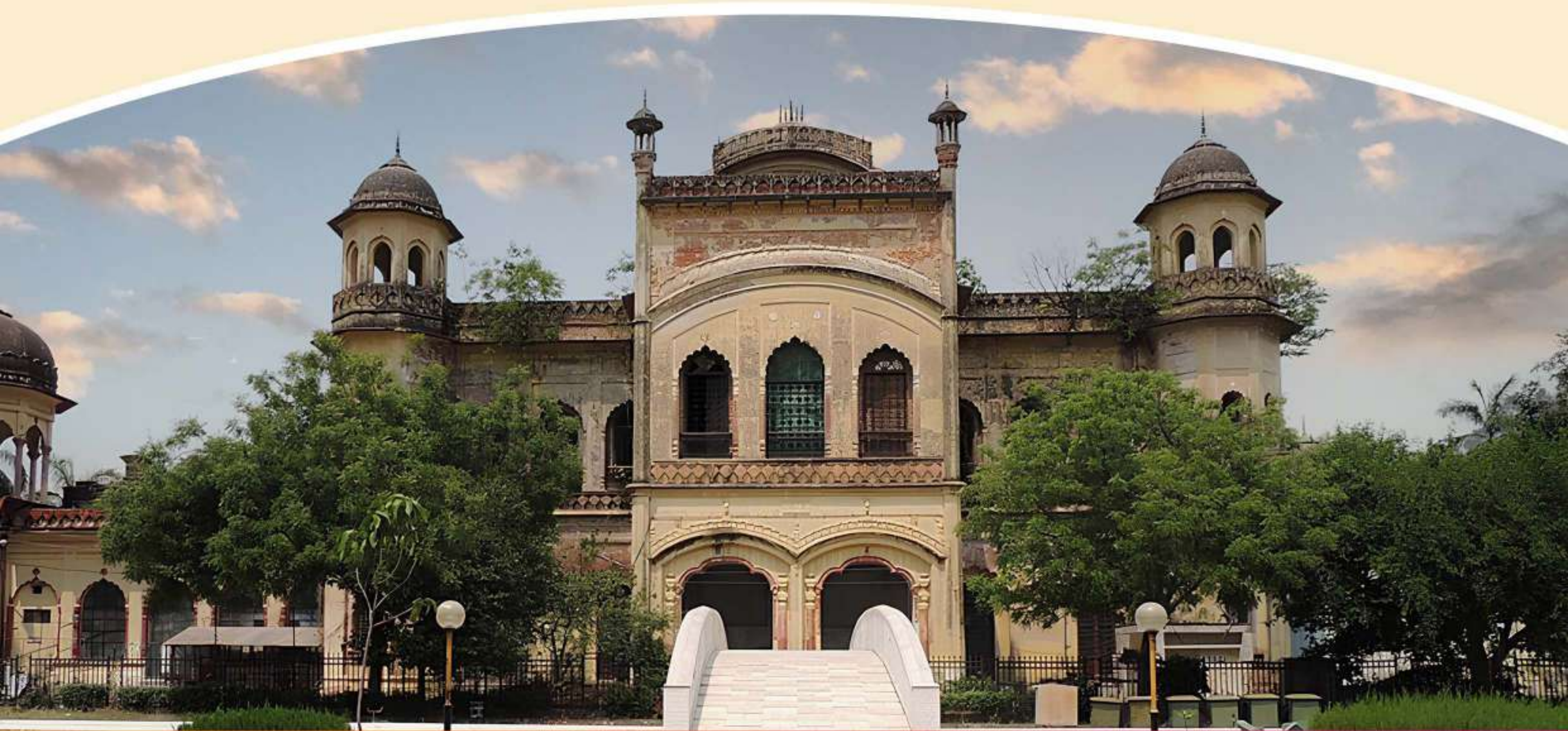

उत्तर प्रदेश
भारत की सांस्कृतिक विरासत का हृदय

उत्तर प्रदेश भारत की सांस्कृतिक प्रतिभा का एक कालातीत प्रतीक है। परंपराओं में गहराई से रचा-बसा यह राज्य शास्त्रीय कलाओं, लोक विरासत, संगीत, नृत्य और साहित्य का एक जीवंत संगम है। इसकी सांस्कृतिक पहचान भारतीय सभ्यता की आत्मा को प्रतिबिंबित करती है, जहां प्राचीन रीतियों, कथाओं और प्रदर्शन कलाओं की परंपरा आज भी जीवित है।

लोकनृत्य, पारंपरिक गीत और स्थानीय रंगमंच जनजीवन की खुशियों, संघर्षों और आध्यात्मिक आस्थाओं को अभिव्यक्त करते हैं। क्षेत्र की शास्त्रीय संगीत और नृत्य परंपराओं ने अनुशासन और श्रद्धा के साथ भारत की कलात्मक धरोहर को संरक्षित किया है। समृद्ध वस्त्र शिल्प, बारीक कढ़ाई और पारंपरिक कला रूपों के माध्यम से पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तकला की अनुपम विरासत प्रदर्शित होती है।

उत्तर प्रदेश केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है बल्कि यह एक जीवंत परंपरा है जो देश की सांस्कृतिक पहचान को प्रेरित करती है, शिक्षित करती है और समृद्ध बनाती है।

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय

लखनऊ स्थित भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन एक अग्रणी संस्थान है, जो भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य, मंचीय कलाओं और सहायक/संबद्ध कला के संरक्षण व संवर्धन हेतु समर्पित है।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना प्रसिद्ध संगीतविद् पंडित विष्णु नारायण भातखंडे जी (1860 – 1936) की स्मृति में की गई थी, जिन्होंने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत शिक्षा को आधुनिक रूप प्रदान किया। यह संस्थान उनकी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए शास्त्रीय गायन, वादन, नृत्य एवं संगीतशास्त्र के क्षेत्र में स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा और शोध कार्यक्रमों की व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय न केवल पारंपरिक कलाओं में प्रशिक्षण देता है, बल्कि व्यावहारिक दक्षता और अकादमिक गुणवत्ता पर भी विशेष बल देता है। यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत बनाए रखते हुए समकालीन कलात्मक अभिव्यक्तियों को भी अपनाता है।

कलाकारों द्वारा, संस्कृति के लिए – ‘लोगो‘ प्रतियोगिता

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय अपनी कलात्मक उत्कृष्टता की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए एक लोगो प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है, जिसका उद्देश्य भारत की जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं की आत्मा को दृश्य रूप में प्रस्तुत करना है। यह प्रतियोगिता केवल एक डिज़ाइन प्रस्तुति नहीं, बल्कि भारत के एक प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थान की पहचान को नया आयाम देने और रचनात्मक समुदाय को उसमें भागीदार बनाने का एक प्रेरणादायक मंच है।

विश्वविद्यालय का मानना है कि संस्कृति की सच्ची अभिव्यक्ति उन्हीं लोगों से संभव है जो उसे जीते हैं, महसूस करते हैं और अभिव्यक्त करते हैं। यह प्रतियोगिता प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की रचनात्मक धरोहर का हिस्सा बनने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। इस पहल के माध्यम से भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय कलाकारों, डिज़ाइनरों और सांस्कृतिक प्रेमियों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान करता है, ताकि वे इस प्रतिष्ठित संस्थान की दृश्य पहचान को सार्थक रूप से आकार दे सकें।

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय का आधिकारिक लोगो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का जीवंत प्रतीक होना चाहिए, जिसमें विशेष रूप से उत्तर प्रदेश की गौरवशाली परंपराओं, शास्त्रीय संगीत, नृत्य, प्रदर्शन कलाओं और लोक संस्कृति का समावेश हो। डिज़ाइन में विश्वविद्यालय के मूल उद्देश्य को समाहित करना चाहिए, इन कला रूपों को संरक्षित करना, प्रोत्साहित करना और भावी पीढ़ियों को शिक्षित करना। लोगो सरल, शाश्वत और सांस्कृतिक गरिमा, कलात्मक उत्कृष्टता तथा रचनात्मक प्रतीकों से युक्त होना चाहिए। इसमें पारंपरिक तत्वों को आधुनिक डिज़ाइन दृष्टिकोण के साथ प्रभावशाली रंगों, आकृतियों और रूपाकारों के माध्यम से सशक्त रूप से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

पुरस्कार

क्र0 सं0	स्थान	पुरस्कार राशि
1	प्रथम स्थान	₹50,000/- + प्रमाणपत्र
2	द्वितीय स्थान	₹20,000/- + प्रमाणपत्र

लोगो हेतु जरूरी दिशानिर्देश

- लोगो केवल PDF प्रारूप में ही स्वीकार किया जाएगा, जिसकी अधिकतम फ़ाइल साइज 5 MB होनी चाहिए। लोगो डिजिटल रूप से बनाया गया हो और उसमें कोई वॉटरमार्क या छाप न हो।
- डिज़ाइन रंगीन होना चाहिए और उसका आकार अधिकतम 30 सेमी × 30 सेमी तक सीमित हो।
- फ़ाइल की गुणवत्ता उच्च स्तर की होनी चाहिए – न्यूनतम 300 DPI पर 100 प्रतिशत स्केल के साथ, जिसमें किसी प्रकार की पिक्सलेशन न हो।
- लोगो के साथ एक संक्षिप्त विवरण पत्रक (Design Sheet) भी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किया जाए। यह विवरण हिंदी या अंग्रेज़ी में, तथा एक स्थानीय भारतीय भाषा (यदि लागू हो) में अधिकतम 300 शब्दों में होना चाहिए। इसमें यह स्पष्ट किया जाए कि आपका डिजाइन किस प्रकार विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं कलात्मक दृष्टि को दर्शाता है तथा उत्तर प्रदेश की पहचान से उसका क्या संबंध है।

प्रतियोगिता में भाग लेने की प्रक्रिया

- प्रतियोगिता में प्रविष्टियाँ जमा करने की तिथि 04 जुलाई 2025 से 24 जुलाई 2025 तक है।
- प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं है।
- प्रतिभागियों को निर्धारित प्रतियोगिता पोर्टल – https://contest.upsanskriti.com पर ऑनलाइन पंजीकरण पूर्ण करना अनिवार्य है।
- पंजीकरण के दौरान प्रतिभागियों को सटीक एवं अद्यतन जानकारी प्रदान करनी होगी।
- पंजीकरण के पश्चात प्राप्त एक विशिष्ट पहचान संख्या (Unique ID) को दोनों प्रस्तुतियों की ऊपरी दायीं ओर स्पष्ट रूप से अंकित करना अनिवार्य है।

चयन प्रक्रिया

मूल्यांकन मापदंड

प्रविष्टियों का मूल्यांकन निम्नलिखित मानकों के आधार पर किया जाएगा -

- रचनात्मकता
- तकनीकी उत्कृष्टता
- दृश्य प्रभावशीलता
- विषय से प्रासंगिकता

प्रारंभिक चयन

निर्धारित समयसीमा के भीतर प्राप्त सभी प्रविष्टियों को चयन समिति द्वारा परखा जाएगा। यह समिति केवल उन्हीं प्रविष्टियों को शॉर्टलिस्ट करेगी जो निर्धारित मानकों पर खरी उतरेंगी। उपयुक्त डिज़ाइन मिलने पर विजेता का चयन किया जाएगा।

गोपनीयता

प्रस्तुत की गई डिज़ाइन (PDF फ़ाइल) में प्रतिभागी की कोई भी व्यक्तिगत जानकारी (जैसे-नाम, संस्था, विद्यालय आदि) शामिल नहीं होनी चाहिए जिससे प्रतिभागी की पहचान स्पष्ट हो सके।

अंतिम निर्णय

चयन समिति का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा। चयन प्रक्रिया से संबंधित किसी भी प्रकार की आपत्ति या स्पष्टीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

पुरस्कार वितरण समारोह

विजेताओं को उत्तर प्रदेश के माननीय मंत्री, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग, की उपस्थिति में लखनऊ में आयोजित होने वाले पुरस्कार वितरण समारोह में आमंत्रित किया जाएगा।

विधिक क्षेत्राधिकार

प्रतियोगिता, प्रविष्टियों या परिणाम से संबंधित कोई भी कानूनी विवाद उत्तर प्रदेश राज्य के अधिकार क्षेत्र में आएगा। इस संदर्भ में उत्पन्न होने वाले सभी व्यय संबंधित पक्षों द्वारा वहन किए जाएंगे।

नियम एवं शर्तें

- प्रस्तुत की गई डिज़ाइन मौलिक होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की नकल या चोरी स्वीकार्य नहीं होगी। विजेता डिज़ाइन में भारत के कॉपीराइट अधिनियम, 1957 अथवा किसी अन्य देश के कॉपीराइट कानून अथवा किसी तीसरे पक्ष के बौद्धिक संपदा अधिकार का उल्लंघन नहीं होना चाहिए।

- डिज़ाइन जमा करने का अर्थ यह है कि प्रतिभागी यह घोषणा करता है कि वह डिज़ाइन का मूल रचनाकार है। साथ ही, यह डिज़ाइन या उसका कोई भी भाग किसी तीसरे पक्ष की बौद्धिक संपदा नहीं है। यदि यह पाया जाता है कि प्रस्तुत डिज़ाइन किसी तीसरे पक्ष की बौद्धिक संपदा है, तो वह प्रविष्टि निरस्त कर दी जाएगी और इस संबंध में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं लेगा।

- यदि किसी तीसरे पक्ष द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकारों के उल्लंघन का कोई दावा किया जाता है, तो उसके लिए भातखंडे संस्कृतिविद्या विश्वविद्यालय उत्तरदायी नहीं होगा।

- यदि किसी प्रकार का कॉपीराइट विवाद उत्पन्न होता है, तो उसकी पूरी कानूनी जिम्मेदारी प्रतिभागी/आवेदक की होगी। विश्वविद्यालय किसी भी प्रकार की जवाबदेही नहीं लेगा।

- सभी प्रविष्टियाँ संप्रतीक और नाम (अनुचित प्रयोग निवारण) अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के अंतर्गत होनी चाहिए। इस अधिनियम के किसी भी नियम का उल्लंघन प्रविष्टि को अमान्य कर देगा।

- डिज़ाइन में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक, अनुचित या भड़काऊ सामग्री नहीं होनी चाहिए।

- यह प्रतिभागी की ज़िम्मेदारी होगी कि वह प्रमाणित रूप से अपनी प्रविष्टि को पुरस्कार योजना के लिए प्रस्तुत करे। यदि विजेता घोषित किया जाता है, तो पुरस्कार उसी प्रतिभागी को प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में किसी भी प्रकार का विवाद, दावा या आपत्ति उत्पन्न होने पर भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय किसी भी रूप में उत्तरदायी नहीं होगा।

संपर्क हेतु

नाम : डॉ. सृष्टि धवन

पद : कुलसचिव, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय

ईमेल आईडी : registrar@bhatkhandeuniversity.ac.in